

शुजाअत स्त्री. (अर.) वीरता, वीरत्व, शूरता, रणकौशल, बहादुरी।

शुतुद्रि स्त्री. (तत्.) शतद्रु नदी, सतलुज नदी।

शुतुर पुं. (फा.) ऊँट।

शुतुर गमजा पुं. (फा.) 1. कपट 2. वह भद्दा नखरा जो ऊँट के नखरे की भाँति प्रतीत हो।

शुतुर बे मुहार वि. (फा.) बिना सोचे-समझे अनियंत्रित रूप में किसी भी ओर चल पड़ना।

शुतुरमुर्ग पुं. (फा.) मुर्गे की जाति का एक पक्षी जिसकी गर्दन ऊँट की भाँति लम्बी होती है तथा पंख होते हुए भी वह उड़ नहीं सकता।

शुतुरी वि. (फा.) 1. ऊँट के रंग का 2. ऊँट के बालों का बना हुआ 3. ऊँट संबंधी।

शुदनी स्त्री. (फा.) 1. आकस्मिक और निश्चित रूप से होने वाली घटना या बात, भावी, भवितव्यता 2. होनदार वि. होने वाला।

शुदबुद स्त्री. (फा.) किसी कार्य अथवा बात का थोड़ा जान।

शुदा वि. (फा.) जो हो चुका हो या बीत चुका हो जैसे- शादीशुदा।

शुद्ध वि. (तत्.) 1. पवित्र, पुनीत, निर्मल, अकलुषित, विशुद्ध, साफ 2. बिना मिलावट का 3. श्वेत, सफेद 4. चमकीला 5. निर्दोष, सही, ठीक 6. असली 7. निर्मल किया हुआ 8. तेज किया हुआ 9. निष्पाप 10. अधिकार प्राप्त 11. निष्पाय, निश्छल, निष्कलंकु पुं. 1. शुद्धात्मा 2. कोई शुद्ध वस्तु 3. सेंधा नमक 4. काली मिर्च।

शुद्ध आय स्त्री. (तत्.) सकल आय में से स्थायी पूँजी का मूल्यहास तथा आयकर निकाल देने के बाद शेष धनराशि, निवल आय। net income

शुद्ध कर्मा वि. (तत्.) शुद्ध और पवित्र कर्म करने वाला, धर्मात्मा, पुण्यात्मा।

शुद्ध गणित पुं. (तत्.) गणित की वह शाखा जिसमें गणित के सिद्धांतों का विकास तथा अध्ययन किसी तात्कालिक उपयोगिता के लिए

नहीं अपितु उसी शाखा की उपयोगिता के लिए किया जाता है।

शुद्धगतिकी पुं. (तत्.) यांत्रिकी की वह शाखा जिसमें बल और द्रव्यमान के संदर्भ के बिना दृढ़ पिंडों की गति का अध्ययन किया जाता है, बल और द्रव्यमान से निरपेक्ष गति का अध्ययन, शुद्धगति विज्ञान।

शुद्धगीता स्त्री. (तत्.) 1. जिसे शुद्ध रूप से गाया गया हो 2. एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 27 मात्राएँ होती हैं, अंत में गुरु लघु होते हैं और 14-13 पर यति होती है।

शुद्ध घाटा पुं. (तत्.) कुल आय की तुलना में पूँजी का मूल्यहास तथा मजदूरी आदि के कुल खर्चों का जोड़ अधिक होने पर दोनों का अंतर, निवल घाटा। net loss

शुद्धता स्त्री. (तत्.) शुद्ध होने की अवस्था, धर्म या भाव।

शुद्धत्व पुं. (तत्.) शुद्धता।

शुद्धदशमलव पुं. (तत्.) वह संख्या जिसमें पूर्णांक न हो, दशमलव संख्या हो जैसे- 0.896, 0.147।

शुद्ध ध्वनि स्त्री. (तत्.) 1. शुद्ध आवाज 2. (छंद) एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 32 मात्राएँ होती हैं, अंत में गुरु वर्ण होता है तथा 10-8-8-6 पर यति होती है।

शुद्ध पक्ष पुं. (तत्.) चांद्र मास का शुक्ल पक्ष।

शुद्धभाव वि. (तत्.) शुद्ध भावों या विचारों वाला, ईमानदार।

शुद्धमंजरी स्त्री. (तत्.) संगीत में कर्नाटकी पद्धति की एक रागिनी।

शुद्धमति वि. (तत्.) शुद्ध बृद्धि, भाव या विचारों वाला, ईमानदार।

शुद्ध मनोहारी स्त्री. (तत्.) संगीत में कर्नाटकी पद्धति की एक रागिनी।